मत्स्य पालन शिक्षा के वैश्वीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन : चुनौतियाँ और अवसर - प्रतिवेदन

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा मत्स्य पालन शिक्षा के वैश्वीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन: चुनौतियाँ एवं अवसर दिनांक 21-22 नवंबर, 2024 को आभासी(वर्चुअली) रूप से आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल थी जिसका उद्देश्य दुनिया भर में मत्स्य पालन और जलीय विज्ञान के छात्रों को उनके उच्च अध्ययन के लिए आगे बढ़ने के साथ-साथ छात्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था । सम्मेलन में उल्लेखनीय भागीदारी देखी गई, जिसमें 1,500 से अधिक निमंत्रण भेजे गए । कुल 1,087 पंजीकरण दर्ज किए गए,जिसमें 650 छात्र और शोध विद्वान सम्मेलन के दोनों दिन में सक्रिय रूप से शामिल हुए । प्रतिभागियों ने जर्मनी, फ्रांस, यूएसए, यूके, चेक गणराज्य और अन्य सहित 22 देशों का प्रतिनिधित्व किया । इस विविधता ने कार्यक्रम के वैश्विक महत्व को उजागर किया । कार्यक्रम का समन्वय और संचालन छात्रों द्वारा किया गया और संकाय सदस्यों द्वारा सुविधा प्रदान की गई । सम्मेलन के विषय मत्स्य पालन में उच्च शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जैसे:

- प्रायोजन और फेलोशिप के अवसरों सहित शिक्षा की लागत

- शिक्षा प्रणालियों में स्वतंत्रता और लचीलापन, अंतःविषय आंदोलन और अंशकालिक कार्य अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना

- नैतिकता और मूल्य, सामाजिक समानता, सांस्कृतिक एकीकरण, सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा उपायों पर जोर देना

सत्र उन छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे जो विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर मत्स्य पालन शिक्षा में प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करते हैं

प्रतिष्ठित वक्ता एवं चर्चाएँ:

कार्यक्रम में 20 प्रतिष्ठित पैनल वक्ता शामिल थे, उनमें से कई ICAR-CIFE के पूर्व छात्र थे जो अब विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं । उन्होंने अपनी यात्रा से अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की,जिससे प्रतिभागियों को प्रेरणा मिली । सम्मेलन में तीन प्रमुख सत्रों में प्रतिष्ठित पैनलिस्ट शामिल हुए । नैतिकता और मूल्यों पर सत्र में डॉ. श्रीहरि एम (जर्मनी), सोनाली सिंह (नीदरलैंड), काशवी काजल (फ्रांस), आइरीन पी. डेट (फिलीपींस) और सुगुना पी (थाईलैंड) शामिल थे, जिन्होंने अकादमिक एवं पेशेवर व्यवसाय करने वाले सिद्धांतों पर बहुमूल्य विचार प्रकट किए । शिक्षा की लागत विषय के सत्र का नेतृत्व लोकेश पवार (स्वीडन), श्रेयस टिंबाडिया (यूएसए), इरशाद अहमद हजम (यूएसए), शिवा एन (जापान) और गोकुलप्रसंत मुरुगन (थाईलैंड) ने किया, जिसमें छात्रों के लिए फंडिंग के रास्ते, फीस संरचना और वित्तीय नियोजन पर ध्यान केंद्रित किया गया । स्वतंत्रता, लचीलापन और प्लेसमेंट पर सत्र में अंतःविषयक शिक्षा और वैश्विक रोजगार में अवसरों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें गुंजन नेगी (कनाडा), डॉ. शिवगुरुनाथन यू (स्पेन), गुरुराज मूर्ति (थाईलैंड), फिबी फिलिप नादुवथु (यूएसए), किशोर गौड़ा (ऑस्ट्रेलिया), सोफिया प्रियदर्शनी दास (ताइवान) और एंटोनी कोवेट (फ्रांस) ने योगदान दिया। उनकी चर्चाओं ने सम्मेलन को

समृद्ध किया और प्रतिभागियों को मत्स्य पालन में वैश्विक शिक्षा के लिए कार्रवाई योग्य रणनीतियों के साथ सशक्त बनाया।

टीम: निम्नलिखित व्यक्तियों ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई:

- छात्र आयोजन टीम: सुश्री सोनम आंगमो, सुश्री केन्यम, सुश्री वेनिस्ज़ा, सुश्री कृष्णा वेनी, सुश्री धरणी एम, श्री शाइन जोस, सुश्री ईशा कुमारी, सुश्री शीतल, सुश्री स्नेहा, सुश्री शिवांगी भट्ट, सुश्री कृति कुमारी, सुश्री मनीषा वर्मा, सुश्री प्राची, सुश्री गोपिका, सुश्री जयाप्रदा , श्री महेश शर्मा, सुश्री क्रिस्टीना, सुश्री पूजा, सुश्री वसंती, श्री प्रीतम को कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने और वैश्विक मंच पर आईसीएआर-सीआईएफई का प्रतिनिधित्व करने में समर्पित प्रयास किए

- आयोजन समिति: डॉ. बी.बी. नायक (संयोजक), डॉ. ए.के. वर्मा (आयोजन सचिव), सह-आयोजन सचिव हैं डॉ. विनोद के यादव, डॉ. मोनालिशा देवी, डॉ. सिकंदर कुमार डॉ. किरल रसल, श्रीमती भारती रथिनम और श्री अबुथागीर इबुराहिम

इस कार्यक्रम की परिकल्पना और देखरेख आईसीएआर-सीआईएफई के निदेशक डॉ. सी.एन. रविशंकर और संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने की। सम्मेलन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके समर्थन ने वैश्विक स्तर पर इस आयोजन की उल्लेखनीय सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रभाव और विजन: जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधान मंत्री द्वारा प्रचारित वसुधैव कुटुम्बकम (दुनिया एक परिवार है) के लोकाचार के अनुरूप, सम्मेलन ने शैक्षिक असमानताओं को पाटने और वैश्विक सहयोग को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसने छात्रों और शोधकर्ताओं को जुड़ने, ज्ञान का आदान-प्रदान करने और मत्स्य पालन क्षेत्र में अवसरों की खोज करने के लिए एक मंच तैयार किया।

इस कार्यक्रम ने मत्स्य पालन शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने की आईसीएआर-सीआईएफई की विरासत को मजबूत किया, साथ ही छात्रों को वैश्विक रूप से परस्पर जुड़ी दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार किया।

निष्कर्ष

इस सम्मेलन का आयोजन एक शानदार सफलता थी, जो मत्स्य पालन पेशेवरों की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के आईसीएआर-सीआईएफई के मिशन को दर्शाती है। सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को उनके योगदान के लिए बधाई। इस तरह की पहल मत्स्य पालन शिक्षा के भविष्य को आकार देने और वैश्विक एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं।

Glimpses of the Programme

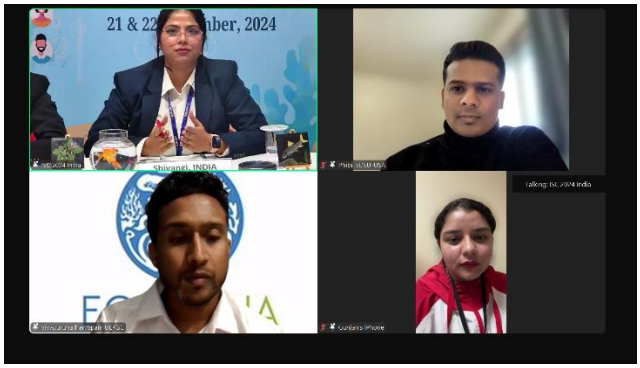

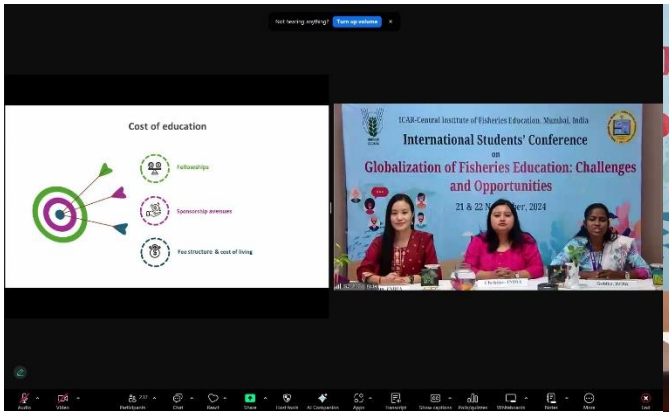

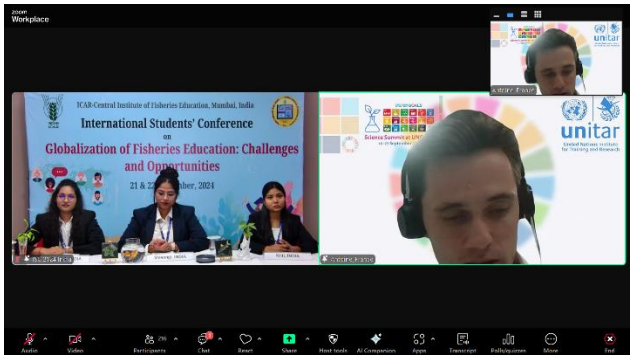

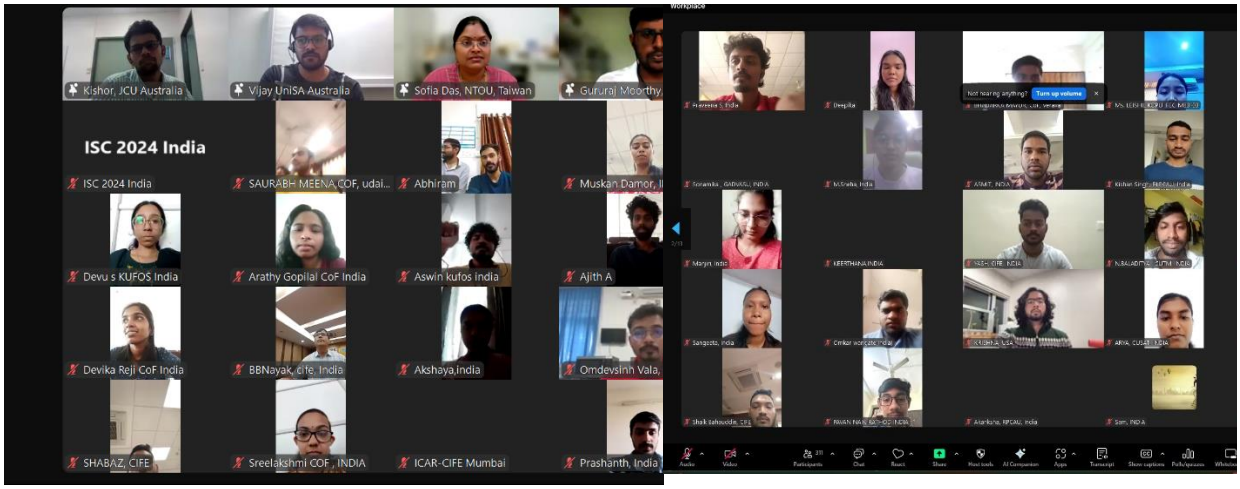

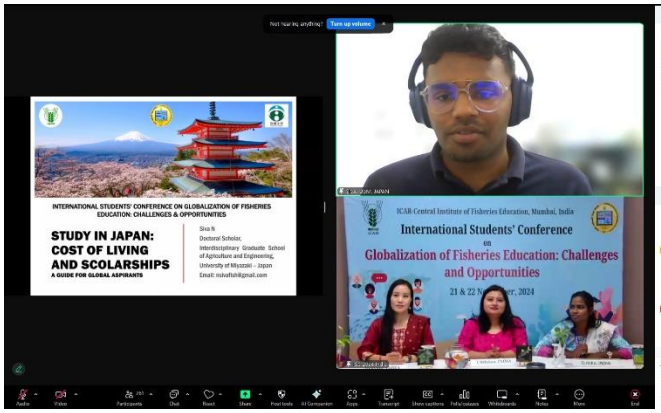

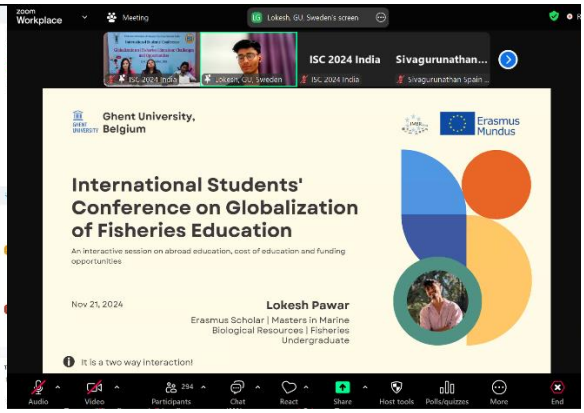

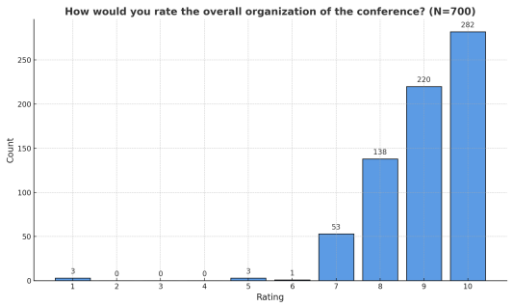

Feedback of the participants (N=700)